आदि शंकराचार्य द्वारा प्रदत्त एक सिखावनी

कोटि-कोटि ग्रन्थों में जो कहा गया है, उसे मैं आधे श्लोक में कहता हूँ :

ब्रह्म सत्य है।
जगत मिथ्या है।
जीव वास्तव में ब्रह्म ही है
और कुछ नहीं।

~ आदि शंकराचार्य

© २०२० एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।